एक नजर में

पशु-पक्षियों से दूर फोड़े पटाखे :ओम बड़ोदिया

मन्दसौर। गौ आरोग्य समिति के अध्यक्ष एवं पशु-पक्षी प्रेमी ओम बड़ोदिया ने सभी नागरिकों से अपील की है कि दीपावली पर्व पर पटाखें जलाने के दौरान बेज़ुबान जानवरों को परेशान ना करे। यह पर्व खुशियां बांटने का है। इस खुशी को मनाने हुए पशु-पक्षियों को दु:खी ना करे। हम मानव आनंद के साथ-साथ जीवों की सुरक्षा व कल्याण का ध्यान भी रखें। ओम बड़ोदिया ने बताया कि त्यौहार के दौरान कुछ शरारती व्यक्ति या बच्चे बेज़ुबान जानवरों जैसे कुत्ते, बिल्ली, गाय, बैल आदि पशु-पक्षी आसपास जाकर पटाखे फोड़ते है ऐसे में घबराकर वह जानवर इधर-उधर भागता है। कई बार वे अपने अंग भी खो बैठते है तथा उनकी जान भी चली जाती है। कुछ लोग जानवरों के उपर या उनकी पूछ पर भी पटाखे बांधकर फोड़ देते है जो घोर निंदापूर्ण है। कई बार पटाखों की तेज़ आवाज़ व प्रकाश के कारण पशु इधर-उधर भागते हैं, उन्हें चोट लग जाती है, अंग कट जाते हैं, या उनकी जान को जोखिम होता है। श्री बड़ोदिया ने कहा कि पशु-पक्षी की रक्षा करना हमारा कर्तव्य है। उनका हमारे जीवन में अहम स्थान होता है। पशु-पक्षियों के दोस्त बनें, न की उनके दुश्मन बनके उन्हें परेशान करें। पटाखे पशु-पक्षियों से दूर फोड़कर त्यौहार मनाये। पटाखों को फोड़ने के लिये ऐसे स्थान चयनित किये जाए जहाँ पशु-पक्षी न हों।

निर्मल ज्योति विशेष विद्यालय मंदसौर में दिव्यांग बच्चों ने मनाई दिवाली

मंदसौर। निर्मल ज्योति विशेष विद्यालय में दिव्यांग (बौद्धिक क्षमता वाले) बच्चों द्वारा बड़े हर्षोल्लास के साथ दीपावली पर्व मनाया गया। बच्चों ने रंगोली बनाई और दीप जलाकर वातावरण को उल्लासमय बना दिया। कार्यक्रम का संचालन दीपक सिंह मोहनिया द्वारा किया गया। छात्र-छात्राओं ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियाँ दीं। हिमांशी और नासिर ने दिवाली गीत पर मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया, वहीं फैज़ खान और रोहित ने सुरीला गीत गाकर सभी का मन मोह लिया। निधि एवं उनके समूह ने शानदार समूह नृत्य की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में सुमित्रा सेठिया द्वारा संस्था के मैनेजर फादर बीबीन, इंचार्ज फादर दीपू, प्रिंसिपल सिस्टर मोनसी और सिस्टर जसना का स्वागत किया गया। शुभा गौतम ने दीपावली के महत्व पर जानकारी दी और बच्चों को त्योहार के सांस्कृतिक व सामाजिक संदेश से अवगत कराया। संस्था के प्रमुख मैनेजर फादर बीबीन, इंचार्ज फादर दीपू और प्रिंसिपल सिस्टर मोनसी द्वारा बच्चों को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं दी गईं। इस अवसर पर बच्चों को पटाखे और मिठाइयां वितरित की गईं। इंचार्ज फादर ने 'सेफ दिवाली' मनाने का संदेश देते हुए बच्चों को सावधानीपूर्वक पटाखे चलाने और आपसी भाईचारे के साथ त्योहार मनाने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम का आभार प्रदर्शन डॉ. आशीष गंगवाल द्वारा किया गया।

दीपावली उत्सव पर वृद्धाश्रम में थालियों का सेट दशपुर बीसा पोरवाल सोश्यल ग्रुप द्वारा भेंट

मंदसौर। दशपुर बीसा पोरवाल सोश्यल ग्रुप द्वारा विशेष सेवा प्रोजेक्ट प्रतिमाह किये जा रहे है। वात्सल्य धाम (वृद्धाश्रम) पर दीपावली उत्सव के पूर्व वृद्धजनों के भोजन के लिये 30 थालियों का सेट जिसमें कटोरी, चम्मच और ग्लास के सेट भेट किये गये और इसमें वृद्धजनों को ग्रुप सदस्यों द्वारा प्रेम, स्नेह से भोजन भी करवाया गया। अध्यक्ष सीए मयंक जैन ने बताया कि वात्सल्य धाम पर इस वर्ष का यह सेवा का पांचवा प्रोजेक्ट है। यहां जब-जब भी सेवाएं देने आये तो बताया गया कि यहां इस प्रकार की सुविधा की आवश्यकता है, उसे ध्यान में रखते हुए रमेश मच्छीरक्षक के भांजे अरनोद निवासी संजय जैन से सम्पर्क किया गया तो उनकी बिटिया ''ईशा'' के जन्मदिवस पर वात्सल्य धाम में भोजन करने के लिये थाली का सेट आपके सौजन्य से देने की भावना जताई। अध्यक्ष श्री जैन ने बताया कि दान तो सभी करते है पर खुले मन से प्रसन्नता के साथ किया गया दान सर्वश्रेष्ठ दान कहलाता है। आपने दान देकर जन्मदिन को यादगार बनाया है उसके लिये आपने संजय जैन परिवार का बहुत-बहुत धन्यवाद एवं साधुवाद प्रकट किया। कार्यक्रम के प्रारंभ में मंगलाचरण प्रस्तुत किया गया। दानदाता परिवार का मोतियों की माला से स्वागत किया गया। इस अवसर पर संदीप गुप्ता, अजय पोरवाल नवकार, संजय जैन विक्रम, पीयूष जैन पानवाला, सनी जैन जावदवाला, निखिल जैन मच्छीरक्षक, नितिन जैन बीजापुरवाला, सुरभी जैन बीजापुरवाला, प्रीति जैन मच्छीरक्षक, श्रेया जावदवाला, हर्षिता जैन आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का सफल संचालन सीए प्रीति जैन ने किया एवं आभार सचिव सीए प्रनेह जैन ने माना।

राष्ट्रीय गुजराती बलाई समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष बालूसिंह वानिया ने 6 लाख का समूह लोन वितरित

पिपलियामण्डी। राष्ट्रीय गुजराती बलाई समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष बालूसिंह वानिया ने ग्राम तितरोद में समाज की महिलाओं को समूह लोन वितरित किया गया। कार्यक्रम में पूर्व में स्वीकृत व बचे हुए समूह, तितरोद एवं खेड़ा गांव की समाज की महिलाओं को 25-25 हजार रुपए का समूह लोन प्रदान किया गया। कुल 6 लाख रुपए की राशि महिलाओं को नगद वितरित की गई। इस अवसर पर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मांगीलाल राठौड़ (मंदसौर) जिला अध्यक्ष कमलेश परमार, जिला संयोजक राधेश्याम सोलंकी, जिला कोषाध्यक्ष मोहनलाल वाघेला, जिला संगठन मंत्री प्रेमकुमार वाघेला, जिला उपाध्यक्ष भंवरलाल सोलंकी, तहसील अध्यक्ष घनश्याम धानक, नाथूलाल धानक, तहसील उपाध्यक्ष फकीरचंद परमार सहित कई गांवों की कार्यकारिणी के पदाधिकारी एवं समाजजन उपस्थित रहे। प्रदेश अध्यक्ष महेंद्रसिंह की समाज के संगठन संबंधी व्यस्तता के चलते उनका प्रतिनिधित्व कमलेश परमार को दिया गया। राष्ट्रीय सलाहकार अर्जुनसिंह हरोड़ का प्रतिनिधित्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मांगीलाल राठौड़ को दिया। कार्यक्रम में दीपावली के अवसर पर सभी महिलाओं को समूह लोन राशि के साथ एक-एक साड़ी भी अध्यक्ष वानिया ने भेंट की गई। अध्यक्ष वानिया ने कहा कि अन्य समूहों को भी शीघ्र ही राशि वितरित की जाएगी एवं मंदसौर जिले में लगभग 10 नए समूह तैयार किए जाएंगे। इस अवसर पर अध्यक्ष ने समाज के सामूहिक विवाह सम्मेलन को लेकर भी समाजजनों से चर्चा की।

गरनाई स्कूल में बच्चों को दीपावली का महत्व बताया

- **रंगोली सजाकर व दीप जलाकर मनाई दीपोत्सव की खुशियां**

मन्दसौर। पांच दिवस तक चलने वाले हिंदुओं के सबसे बड़े त्योहार दीपावली के महत्व के बारे में शासकीय प्राथमिक विद्यालय गरनाई की प्रधान अध्यापिका ललिता सिसोदिया के द्वारा समझाया गया। इस दौरान विद्यार्थियों एवं स्टॉफ द्वारा रंगोली सजाई गई। दीप जलाकर एक दूसरे को दीपोत्सव की बधाई दी गई।

सिसौदिया ने बताया कि दीपावली हिंदुओं का सबसे बड़ा त्यौहार है यह त्योहार पूरे 5 दिनों तक चलता है पहला दिन धनतेरस के रूप में मनाया जाता है दूसरा दिन रूप चौदस के रूप में मनाया जाता है तीसरा दिवस गोवर्धन पूजा के रूप में मनाया जाता है चौथा दिन अमावस्या को लक्ष्मी पूजा के रूप में मनाया जाता है एवं पांचवा दिन भाई दूज के रूप में मनाया जाता है सभी दिनों का अपना एक महत्व है पौराणिक कथा के अनुसार अयोध्या के राजा दशरथ के ज्येष्ठ पुत्र श्री राम 14 वर्ष का वनवास पूरा करने के पश्चात जब वापस पुन: अयोध्या लौटे थे तब अयोध्या वासियों ने बड़ी ही धूमधाम से उनके स्वागत की तैयारी की थी और इस दिन को दीपावली के रूप में मनाया गया उसी दिन से लेकर आज तक दीपावली के दिन हम सभी आपस में मिलकर प्रेम और हर्षोल्लास के साथ में एक दूसरे को बधाई देते हुए सारे लड़ाई झगड़ा एवं छल कपट को मिटाते हुए आपस में गले मिलते हैं।

यह त्यौहार आपस में मिलकर रहने का एवं भाईचारे का त्यौहार है एक अन्य कथा के अनुसार भगवान विष्णु राजा बलि के वचनों में जाकर उनके यहां द्वारपाल के रूप में नौकरी करने लगे उन्हें छुड़ाने के लिए माता लक्ष्मी ने राजा बलि को अपने भाई के रूप में स्वीकार किया एवं वचन में उनसे उनके द्वारपाल को मांग लिया इस पुराणोंक कथा के अनुसार भी दीपावली मनाने का महत्व है इस प्रकार से बच्चों को समझाते हुए शाला में श्रीमती सिसोदिया के द्वारा दीपावली का त्यौहार मनाया गया पटाखे जलाएं गये फुल चिड़िया जलाई गई एवं बहुत ही धूमधाम से दीपावली का त्यौहार मनाया एवं आने वाले पांच दिनों की बधाई दी गई।

रुपयों की वसूली के लिए किसानों के खाते सीज करना गलत, किसान का दीपावली मनाना हो रहा मुश्किल

- **मुआवजा राशि में घोटाला करे कोई, भरे किसान- एड. पाटीदार**

मंदसौर। सरकार द्वारा सोयाबीन की फसल में हुए नुकसान की मुआवजा राशि पहले ही ऊंट के मुंह से जीरा जैसी अत्यंत अल्प राशि दी गई है, और वह भी पात्र किसानों को नहीं दी गई है, जिनको राशि दी गई, और उनके खाते में जमा की गई, उनको भी नोटिस दिये जा रहे है कि यह राशि आपके खाते में गलती से भेज दी गई है, और आप इसे तुरंत वापस करे।

आम आदमी पार्टी के पूर्व जिला अध्यक्ष गंगाराम पाटीदार एडवोकेट द्वारा बताया गया कि, सरकार द्वारा न तो मुआवजे का सर्वे उचित तरीके से करवाया गया, और सर्वे भी घर बैठे अधिकारियों व कर्मचारियों ने मनचाहे तरीके से कर दिया, जिससे 100 प्रतिशत नुकसान वाले किसानों का 10 प्रतिशत नुकसान बताया गया, और जब मुआवजा देने की बारी आई तो वहां पर भी नकारा व लापरवाह कर्मचारियों की वजह से मुआवजा नहीं मिला. जिन किसानो को मुआवजा दिया भी गया उन्हे वह मुआवजा राशि वापिस करने के लिये नोटिस दिये गये है, प्रशासन का अत्यांचार वही नहीं रूका बल्कि हजार पांच सौ रूपये की राशि वसुल करने बाबत् किसानो के बैंक खाते ही सीज़ करवा दिये जिससे न तो वह अपनी दीपावली मना पा रहे है और न ही रबी फसल की तैयारी हेतु खाद्य बीज एवं डीजल की व्यवस्था करवा पा रहे है।

गांव में बनी 'इंडिगो दाब प्रिंट' साड़ियां हैं विदेशी महिलाओं की पहली पसंद

- **तारापुर में नांदना प्रिंट की हाथों से बनाई जाती हैं आकर्षक साड़ियां**
- **छोटे से गांव में बनीं चंदेरी साड़ी सुधा मूर्ति, सोनिया गांधी, रविना टंडन की भी रही है पसंद**

नीमच। जिले के छोटे से गांव तारापुर में 400 साल पुरानी परंपरा अब भी कायम है। आदिवासी महिलाएं कभी नांदना प्रिंट से अपने लहंगे बनाया करती थीं। ट्रेंड बदलने के साथ साड़ी और सूट में नांदना प्रिंट का उपयोग होने लगा। यह प्रिंट 'इको फ्रेंडली' होने से देश-विदेश में इसकी काफी मांग है। इंफोसिस फाउंडेशन की अध्यक्ष सुधा मूर्ति, कांग्रेस सांसद सोनिया गांधी, फिल्म अभिनेत्री रवीना टंडन आदि यात शसियत भी नांदना प्रिंट से बनीं साड़ियां पहन चुकी हैं।

जावद तहसील के गांव तारापुर में जरिया परिवार की पांचवीं पीढ़ी पुरखों की परपरा को जारी रखे हुए हैं। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर छोटे से गांव की नांदना प्रिंट वियात हो चुकी है। बारीक प्रिंट ही इस कला की विशेषता है। अमरूद, यूकेलिप्टस, सागवान, नीम, अरंडी आदि पत्तों को बड़ी खूबसूरती से साडियों पर उकेरा जाता है। जितना बारीक काम होता है, साड़ी की कीमत भी उतनी ऊंची होती है। नांदना प्रिंट के साथ अब विदेशी नकनीक 'इको प्रिंट' का उपयोग भी साड़ियां पर किया जाने लगा है। इस परंपरा के दम पर जरिया परिवार के पवन कुमार जरिया वर्ष 2017 में राष्ट्रीय स्तर पर अवार्ड हासिल कर चुके हैं। वर्ष 2002 में पुरुषोत्तम जरिया और वर्ष 2022 में बनवारी जरिया स्टेट अवार्ड से समानित हो चुके हैं।

तारापुर मध्यप्रदेश के अंतिम छोर में बसा और राजस्थान से लगा छोटा सा गांव है, लेकिन विदेशों में यहां की प्रिंट बहुत प्रसिद्ध है। इसके चलते विदेशी पर्यटक विशेषकर महिलाएं यहां खिंची चली आती हैं। इतना ही नहीं नांदना प्रिंट की बारीकियों को नजदीक से समझने के साथ कला में हाथ भी आजमाती हैं। इंडिगो दाबू प्रिंट (तारापुर प्रिंट) इंका फेंडली होने से विदेश महिलाओं की पहली पसंद है। इसमें रसायन का उपयोग नहीं होता। इसकी विशेषता यह है कि इसमें 'नील' का उपयोग होता है।

आर्डर पर भी बनाते हैं साड़ियां

नांदना प्रिंट को अपनाने वाला हमारी पांचवीं पीढ़ी है। चार शताब्दी से यह कला हमारे परिवार से जुड़ी हुई है। कला इतनी प्रसिद्ध हो चुकी है कि देश-विदेश की यात महिला शसियत इससे बनी साड़ियां पहन रही हैं। जितना बारीक काम होता है साड़ी के दाम भी उस अनुसार होते हैं। सामान्यतया 700 से 5000 तक की साड़ियों की मांग अधिक रहती है। ऊपर में 15 हजार तक की साड़ियां उपलब्ध हैं। ऊंची कीमत की साड़ियां आर्डर पर बनाई जाती हैं। **- बनवारी जरिया, व्यवसायी**

हस्तनिर्मित स्वदेशी सामानों की खूब बिक्री, छोटे दुकानदारों में जगी नई आस

भानपुरा। नगर के हायर सेकंडरी स्कूल भानपुरा के मैदान में पुलिस प्रशासन और नगर परिषद से अनुमति मिलने के बाद इस वर्ष दीपावली पर्व को लेकर बाजारों में रौनक दिखाई दे रही है। मैदान में 53 आतिशबाजी की दुकानें सज चुकी हैं, वहीं विद्यालय परिसर में दीपावली की सजावट, वाहनों व पशुओं के पूजन की सामग्री, फूंदे-चोटी सहित विविध पूजन वस्तुएं भी बिक रही हैं।

नगर के अन्य स्थानों पर मिट्टी के दिये, मटके, धूपबत्ती और पूजन के लिए मिट्टी के पात्रों की दुकाने भी सजी हुई हैं। स्थानीय और बाहरी छोटे दुकानदारों में उत्साह का माहौल है। कई दुकानदारों ने बताया कि इस बार हस्तनिर्मित स्वदेशी वस्तुओं की मांग बढ़ी है और उन्हें उम्मीद है कि दीपावली पर अच्छी बिक्री होगी।

गुजरात से आए छोटे व्यापारी भी हर वर्ष की तरह इस बार भी भानपुरा में अपनी दुकानें लेकर पहुंचे हैं। वे चोटी, फूंदे, सजावट और पूजन सामग्री बेच रहे हैं। दुकानदारों ने बताया कि लोगों का रुझान इस बार स्वदेशी और पारंपरिक वस्तुओं की ओर अधिक है, जिससे बिक्री में बढ़ोतरी की उम्मीद बनी हुई है।

दीपोत्सव की तैयारियों के बीच बाजारों में रौनक और ग्राहकों की चहल-पहल से छोटे व्यापारियों के चेहरों पर भी मुस्कान लौट आई है।

सीएमओ बामनिया ने किया सफाई कार्य का निरीक्षण

- **दुकानदारों को दी सामान बाहर तक न फैलाने व पॉलिथीन का उपयोग न करने की समझाइश**

नीमच। कलेक्टर हिमांशु चंद्रा के निर्देशानुसार नीमच जिले के शहरी क्षेत्रों में 10 दिन तक स्वच्छता की दीवाली अभियान का आयोजन कीया जा रहा है, इस अभियान के तहत नगर पालिका परिषद, नीमच द्वारा नपा अध्यक्ष स्वाति गौरव चोपड़ा के मार्गदर्शन एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी दुर्गा बामनिया के नेतृत्व में 10 दिन तक स्वच्छता की दिवाली के नाम से विशेष सफाई व स्वच्छता जागरूकताअभियान चलाया जा रहा है जिसके तहत नगर के विभिन्न क्षेत्रों में अलग-अलग दल गठित कर प्रात:कालीन व रात्रि कालीन विशेष सफाई अभियान चलाने के साथ ही सार्वजनिक क्षेत्रों , शासकीय कार्यालयों, बाजार क्षेत्र, शैक्षणिक संस्थानों आदि स्थानों पर स्वच्छता की दिवाली के पंपलेट वितरित कर स्वच्छता के प्रति सभी को जागरूक किया जा रहा है।

शुक्रवार 17 अक्टूबर को नगर पालिका की मुख्य नगर पालिका अधिकारी दुर्गा बामनिया ने स्वास्थ्य अधिकारी दिनेश टांक, राजस्व विभाग के टेकचंद बुनकर व लोक निर्माण विभाग के श्री अब्दुल नईम के साथ सुबह-सुबह नगर का भ्रमण कर सफाई व्यवस्था देखी एवं कमी पाए जाने पर आवश्यक निर्देश दिए! श्रीमती बामनिया शुक्रवार सुबह टैगोर मार्ग, फव्वारा चौक,प्राइवेट बस स्टैंड, शोरुम चौराहा रोड, सब्जी मंडी मार्ग आदि क्षेत्र में पहुंची और सफाई व्यवस्था का निरीक्षण करने के साथ ही दुकानदारों को अपनी दुकान का सामान दुकान के बाहर न फैलाने तथा पॉलिथीन का उपयोग न करने की समझाइश दी! साथ ही स्वच्छता कर्मचारियों को ड्यूटी के दौरान यूनिफॉर्म में रहने के निर्देश दिये!

बामनिया ने स्वच्छता अमले से कहा कि दीपावली पर्व का यह सप्ताह हम सभी के लिए काफी चुनौती पूर्ण है, क्योंकि इस दौरान हर घर और संस्थान से कचरा काफी अधिक निकलता है और हमें जिम्मेदारी पूर्वक कार्य कर जनता की अपेक्षा पर खरा उतरते हुए स्वच्छता की दिवाली अभियान को सफल बनाना है।

एक नजर ▶ **सोने-चांदी के आसमान छूते दामों के बीच 9 कैरेट हॉलमार्क ज्वेलरी की मांग बढ़ी**

निवेश के इरादे से भी लोग सोना -चांदी में लगा रहे हैं धन

नीमच. आसमान छूते सोना-चांदी के दामों के बीच गृहणियों के लिए खुश खबर भी है। सरकार ने बाजार में 9 कैरेट हॉलमार्क ज्वेलरी को मंजूरी दी है। इससे उन लोगों को बड़ी राहत मिलेगी, जो वर्तमान दामों में सोना-चांदी नहीं खरीद सकते। महिलाओं में भी इसका आकर्षण बढ़ा है।

जिस तेजी से सोना-चांदी के दाम लगातार रेकार्ड बना रहे हैं उस देखते हुए सरकार ने 9 कैरेट हॉलमार्क ज्वेलरी को मंजूरी देकर एक अच्छा निर्णय लिया है। बाजार में खरीदी करने निकली महिलाओं ने भी इस निर्णय का स्वागत किया है। इसके प्रति विशेषकर महिलाओं का रुझान तेजी से बढ़ रहा है। इसके पीछे एक बड़ा और सकारात्मक कारण भी है। भारतीय मानक ब्यूरो ने हाल ही में 9 कैरेट (375 पीपीटी) सोने को अनिवार्य हॉलमार्किंग के दायरे में शामिल किया है। इससे इस श्रेणी की ज्वेलरी में ग्राहकों का विश्वास बढ़ा है। अब 9 कैरेट सोने पर भी बीआईएस हॉलमार्क लगने से ग्राहकों को भरोसा मिला है कि वे जो खरीद रहे हैं, वह प्रमाणित और शुद्ध है।

सोने की लगातार बढ़ोतरी कीमतों के चलते बड़ी संख्या में ग्राहकों को 22 या 18 कैरेट की ज्वेलरी की खरीद से दूर कर दिया है। उनके लिए 9 कैरेट की ज्वेलरी बेस्ट बनकर उभरी है। इससे आम आदमी के लिए भी सोने के आभूषण खरीदना अब संभव हो गया है। इससे ग्राहक कम बजट में भी सोने की खूबसूरती का आनंद ले सकते हैं। महिलाओं ने बताया कि यूं तो 18 और 22 कैरेट सोने का चलन फिलहाल अधिक है, लेकिन इसके विकल्प के रूप में 9 कैरेट सोना भी टिकाऊ है। इसमें

तांबे और अन्य धातुओं का मिश्रण होने से मजबूती रहती है। इसके चलते ज्वेलर्स को इसमें नए और बारीक डिजाइन बनाने में आसानी रहती है। इससे बाजार में 9 कैरेट की ज्वेलरी के नए नए और स्टाइलिश कलेक्शन उपलब्ध हो रहे हैं, जो युवाओं को विशेष रूप से आकर्षित कर रहे हैं।

नवरात्रि प्रारंभ से व्यापार में चहल-पहल

सोना-चांदी दोनों के भाव रुकने का नाम नहीं ले रहे हैं। वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए यह रुकने वाला भी नहीं है। लोग अंदाज लगाकर बैठे हैं कि इतना ऊंचा भाव आया है तो घटेगा भी सही, लेकिन परिस्थितियां इसके उलट होती जा रही हैं। भाव लगातार बढ़ रहे हैं। जिस गति से भाव बढ़ रहे हैं इससे आम जनता ने भी मन बना रखा है कि यह तेजी अभी जारी रहेगी इसलिए खरीदी करने आने लगे हैं। नवरात्रि के प्रारंभ से ही व्यापार में चहल-पहल है। आगामी दिवाली के त्योहार एवं लग्नसरा को देखते हुए व्यापार अपनी गति पकड़ेगा। अच्छी ग्राहकी चलने की हम व्यापारियों को पूर्ण उम्मीदे है।

- संदीप चौधरी, पूर्व अध्यक्ष सर्राफा एसोसिएशन

सोना का मौजूदा रुख काफी मजबूत और सकारात्मक

अभी के ताजा डेटा के हिसाब से सोने की कीमत 23 सितंबर को 3,787 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड कर रही है, जो पिछले साल के मुकाबले काफी ऊपर है। हाल के महीनों में इसमें तेजी देखी गई है। कई विशेषज्ञ मान रहे हैं कि साल के अंत तक ये 4 हजार डॉलर प्रति औंस तक पहुंच सकती है। आने वाले महीनों में विशेषज्ञ 3,800 से 3,900 डॉलर प्रति औंस तक की और वृद्धि की उम्मीद कर रहे हैं। दीर्घकालिक दृष्टि से कुछ अनुमानों के मुताबिक इस साल के अंत तक 4 हजार डॉलर प्रति औंस का स्तर भी पार किया जा सकता है। सोने में निवेश करना एक स्थिर और भरोसेमंद विकल्प माना जाता है क्योंकि सोने की कीमतें लंबे समय में अक्सर बढ़ती हैं। यह महंगाई से बचाव का एक अच्छा साधन भी होता है। जहां तक ज्वेलरी की बात है तो महिलाएं परंपरागत रूप से ज्वेलरी खरीदती आई हैं। वहीं आजकल पुरुष भी सोने की ज्वेलरी पहनने में रुचि दिखा रहे हैं।

- वरुण सिंह, एक्सपर्ट ट्रैडग